

29-2-26

पत्रावली पत्रा डूनी व कुलप 37/ 31 को का जापद  
शरीर न चिप जाता है किन्तु चिपि प्रकृत  
शिवदाता जाकर शासित पत्रावली किया गया  
पत्रावली का नकल देकर अन्त में कर्म दे  
यथा शासित हुए कर द्यो

ॐ